नईदुनिया

ब्रांडेड कंपनियों के नकली उत्पादों का गढ़ बना रायपुर

देश की नामचीन और बड़ी कंपनियों के नाम पर नकली उत्पाद का राजधानी रायपुर गढ़ बन चुका है। यहां पर सक्रिय सिंडिकेट बड़ी कंपनियों के उत्पादों के हू-ब-हू नकली उत्पाद तैयार कर प्रदेश भर के बड़े बाजारों से लेकर गांव-कस्बों में इसे सस्ते दाम पर खपाया जा रहा है।

Publish Date: | Tue, 16 Mar 2021 09:10 PM (IST)

सतीश पांडेय, रायपुर(नईदुनिया)।

देश की नामचीन और बड़ी कंपनियों के नाम पर नकली उत्पाद का राजधानी रायपुर गढ़ बन चुका है। यहां पर सक्रिय सिंडिकेट बड़ी कंपनियों के उत्पादों के हू-ब-हू नकली उत्पाद तैयार कर प्रदेश भर के बड़े बाजारों से लेकर गांव-कस्बों में इसे सस्ते दाम पर खपाया जा रहा है। दुकानदार जहां मोटे कमीशन के लालच में ये सामान बेच रहे हैं, वहीं नकली से अनजान ग्राहक भी कम कीमत पर सामान पाकर खुश हैं। दरअसल रायपुर में हिंदुस्तान यूनिलीवर कंपनी के क्रीम व चायपत्ती का जखीरा मिलने के बाद यह साबित हो गया है कि छत्तीसगढ़ में नकली खाद्य सामग्री, कास्मेटिक से लेकर सारा सामान आसानी से खपाया जा रहा है। गोलबाजार के बंजारी चौक स्थित जेएन ट्रेडर्स कंपनी में छापामारी के बाद दुकान के संचालक पिता-पुत्र को पुलिस ने हिरासत में लिया था, लेकिन राजनीतिक दबाव में मुख्य आरोपित पिता को न बनाकर केवल बेटे मनीष जयसिंघानी के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी की।

हर माह 50 लाख का कारोबार

रायपुर समेत प्रदेश भर में ब्रॉडेड कंपनी के नाम पर नकली सामान खपाने का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है। अकेले रायपुर में हर महीने करीब 50 लाख रुपये के इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण, कास्मेटिक, खाद्य सामग्री, कपड़े समेत अन्य सामान खपाया जा रहा है। दरअसल नामी कंपनियों के ट्रेडमार्क, स्टीकर का इस्तेमाल कर कारोबारी नकली सामान बेचने का गोरखधंधा रायपुर से लेकर पूरे प्रदेश में चला रहे हैं। पुलिस का दावा है कि सूबे में हर महीने 30 करोड़ के नकली उत्पाद बेचा जा रहा है।

पावर बैंक, एलईडी टीवी तक की हो चुकी जब्ती

डेढ़ साल पहले रविभवन के हिंगलाज मोबाइल दुकान में पुलिस ने छापा मारकर 262 नग नकली पावर बैंक जब्त कर दुकान संचालक समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया था, जबकि इससे पहले क्राउन कंपनी का नकली स्टीकर लगाकर एलईडी टीवी समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण बेचने के मामले में प्रियदर्शिनी नगर निवासी जगदीश किंगरानी की गिरफ्तारी की गई थी। उसकी दुकान से 14 नग नकली एलईडी टीवी जब्त की गई। इससे पहले भी कई कंपनियों का नकली सामान रायपुर में पकड़ा जा चुका है।

दिल्ली, मुंबई से आता है नकली सामान

रायपुर में सबसे अधिक मुंबई और दिल्ली के बाजार से नकली इलेक्ट्रानिक्स सामान, ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर नकली घड़ी खरीदकर कारोबारी यहां पर ट्रेन से लेकर आते हैं। यही वजह है कि लंबे समय से चल रहे नकली सामान की बिक्री हर साल बढ़ रही है। इस कारोबार से जहां नामचीन कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, वहीं इनके उत्पादों की बिक्री में भारी गिरावट आई है।

आनलाइन साइट भी दे रही धोखा

नकली सामान बेचने के गोरखधंधे में अब आनलाइन शापिंग साइट भी शामिल हो गई है। जानकार खरीदारों का कहना है कि स्नैपडील, फ्लिपकार्ट, नापतौल, अमेजॉन समेत अन्य साइट पर आर्डर देने पर उन्हें नकली उत्पाद प्राप्त हुए हैं। वहीं

नईदुनिया

कारोबारियों का दावा है कि ऑनलाइन खरीदारी में सबसे अधिक इलेक्ट्रॉनिक्स, कास्मेटिक, स्पोर्ट्स का सामान, कपड़े आदि नकली सप्लाई किए जा रहे हैं।

ऐसे करें, नकली की पहचान

ब्रांडेड कंपनियों के मिलते-जुलते नाम से अनेक नकली प्रोडेक्ट बाजार में बिक रहे हैं। पहली नजर में असली-नकली प्रोडेक्ट को पहचानना बड़ा ही मुश्किल होता है। यदि गौर से प्रोडेक्ट पर नजर डालेंगे तो आप असली-नकली की पहचान कर सकते हैं। नकली और असली प्रोडेक्ट में कुछ न कुछ ऐसा जरूर डिफरेंस होता है, जिससे वह पहचान में आ जाता है। जैसे-प्रोडेक्ट के नाम और स्पेलिंग में फर्क, बॉक्स पर डिटेल का अभाव, व्याकरण या मात्राओं की त्रुटि ही नहीं, उसकी डिजाइनिंग भी इस तरह से करते हैं कि पहली नजर में अच्छे-अच्छे गच्चा खा जाते हैं। ग्राहक कोई भी उत्पाद खरीदते समय यदि होशियारी से सभी बातों पर ध्यान दें तो वे नकली सामान खरीदने से बच सकते हैं।

Source : https://www.naidunia.com/chhattisgarh/raipur-raipur-becomes-the-hub-of-branded-counterfeit-products-6758791